ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–46

दिनांकः शुक्रवार, 19 जून, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.5 एवं 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 60 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.2 एवं दोपहर में 41.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(20–24 जून 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 20 जून से 24 जून, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के अधिकांश भागों में गर्म एवं शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। 23–24 जून के दौरान एक–दो स्थानों पर 4–6 मिमी हल्की वर्षा हो सकती है, जबकि मधुबनी जिले में 24 जून को लगभग 65–70 मिमी भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान अधिकांश जिलों में 35–38°C के बीच रहने का अनुमान है, जबकि सारण, गोपालगंज एवं पूर्वी चंपारण जैसे कुछ जिलों में तापमान 40–42°C तक पहुँच सकता है, जिसे लू की स्थिति बन सकती है। न्यूनतम तापमान 26–29°C के बीच रहने की संभावना है।
- 21–23 जून के दौरान बेगूसराय, सारण, सिवान, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण के कई स्थानों पर लू (हीट वेव) की स्थिति बन सकती है। इसके विपरीत, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सीतामढ़ी एवं वैशाली जिलों में कहीं–कहीं मेघगर्जन एवं तेज झोंकेदार हवा चलने की अनुमान है।
- सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 65–70 प्रतिशत तथा दोपहर की सापेक्षिक आर्द्रता 25–30 प्रतिशत रहने का अनुमान है।
- हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 7–12 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान आकाश में हल्के बादल बने रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- वर्तमान में मानसून की कमजोर स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि ऊँची जमीनों में धान की खेती न करें। जिन किसानों के पास सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है, वे मध्यम अवधि वाली धान की किस्मों जैसे राजेन्द्र नीलम, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र सरस्वती एवं राजेन्द्र श्वेता का बिचड़ा बीजस्थली में गिरा सकते हैं। बीजस्थली में पर्याप्त नमी बनाए रखने तथा पौधों को सूखने से बचाने के लिए आवश्यकता अनुसार जीवनरक्षक सिंचाई करें। वर्तमान कमजोर मानसूनी परिस्थितियों को देखते हुए विशेषकर ऊँचास जमीन में धान के बदले वैकल्पिक फसलों की खेती पर भी विचार करना अधिक उपयुक्त होगा।
- किसानों को भिंडी, कद्दू, खीरा, नेनुआ, करेला एवं लौकी जैसी खरीफ (बरसाती) सब्जियों की बुआई करने की सलाह दी जाती है। सब्जी की फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु नियमित निराई–गुड़ाई करें, जिससे फसलों की वृद्धि एवं विकास बेहतर हो सके। फसलों में पत्ती खाने वाली सूंडियों एवं फल छेदक कीटों का प्रकोप दिखाई देने पर साफ मौसम में डाइमेथोएट 30 ई.सी. का 1–1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आवश्यकता अनुसार 5–7 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें तथा खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था बनाए रखें।
- खरीफ मक्का की बुआई करते चलें। उत्तर बिहार के लिए *शक्तिमान–2*, *शक्तिमान–5*, *शक्तिमान–6* एवं *राजेन्द्र शंकर मक्का–3* किस्मों की बुआई करें।
- हल्दी की बुआई जारी रखें। *राजेन्द्र सोनिया* एवं *राजेन्द्र सोनाली* किस्मों की बुआई करें तथा बीज प्रकंदों को डाइथेन एम–45 एवं बाविस्टिन से उपचारित करें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी तैयार करें। *एग्री फाउंड डार्क रेड* (ADR), *एन–53*, *भीमा सुपर* एवं *अर्का कल्याण* किस्मों के बीजों की व्यवस्था करें।
- लीची की फल तुड़ाई के बाद बगीचों में आवश्यक छंटाई (प्रूनिंग) कर लें, जिससे पेड़ों के भीतर पर्याप्त धूप एवं हवा का संचार हो सके। साथ ही, बगीचे में गिरे हुए पत्तों, सूखी शाखाओं एवं अन्य पौध अवशेषों को एकत्र कर हटा दें। इससे कीट एवं रोगों के प्रकोप में कमी आएगी तथा पेड़ों की स्वस्थ वृद्धि एवं विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- दुधारू पशुओं को तापीय तनाव से बचाने हेतु छायादार एवं हवादार स्थानों पर रखें तथा उन्हें पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ एवं ताजा पेयजल उपलब्ध कराएँ। दुग्धारू पशुओं को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने के लिए पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार आवश्यक टीकाकरण एवं निवारक उपाय अवश्य करें।
- वर्तमान गर्म एवं शुष्क मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि रबी मक्का एवं गरमा मूंग की कटी हुई उपज को भंडारण से पूर्व अच्छी तरह सुखा लें तथा उसे सुरक्षित एवं सूखे स्थान पर रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी